कोविड-19 महामारी के दौरान आयुष मंत्रालय द्वारा जारी कोविड-19 के होम आइसोलेशन के रोगियों के लिए आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सकों हेतु दिशानिर्देश और स्वयं देखभाल के लिए आयुर्वेद और यूनानी निवारक उपाय

कोविड-19 महामारी के दौरान, कोविड-19 के होम आइसोलेशन के रोगियों के लिए आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सकों हेतु दिशानिर्देश और स्वयं देखभाल के लिए आयुर्वेद और यूनानी निवारक उपाय को आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 26 अप्रैल 2021 को जारी किया गया था।

कोविड-19 के होम आइसोलेशन के रोगियों के लिए ये दिशा-निर्देश और स्व-देखभाल के लिए निवारक उपाय शारीरीय आयुर्वेद और यूनानी ग्रंथों, शोध अध्ययन के परिणामों, अन्तर्राष्ट्रीय समिति की रिपोर्ट और सिफारिशों पर आधारित हैं और जो उभरती कोविड-19 की स्थिति से निपटने में हमारी लड़ाई को और मजबूत करेगी।

इन दिशानिर्देशों और ऐडवाइजरी को आयुष मंत्रालय द्वारा गठित अंतरराष्ट्रीय आयुष अनुसंधान और विकास कार्यकल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय परिषदें (सीसीआरएएस) के भाग में आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषदें (सीसीआरयूएम) के अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) और राष्ट्रीय औषधि पादप बोर्ड (एनएमपीबी) ने ऐडवाइजरी और दिशानिर्देशों को तैयार करने पर काम किया।

बर्तमान दिशानिर्देशों और स्वयं देखभाल के उपायों से आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सकों को कोविड-19 के विभिन्न संक्रमणों के बीच आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सकों के उपचार के संबंध में स्पष्ट मार्गदर्शन मिलता है। इससे देश भर में महामारी के लिए आयुष आधारित प्रतिक्रियाओं में एकता और निरंतरता आती है। इससे राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों को इन समाधानों की योजना बनाने और उन्हें जमीनी स्तर पर चलाई जा रही कोविड-19 की प्रबंधन गतिविधियों में शामिल करने में भी मदद मिलती है। इसके अलावा, ये उपाय और दिशानिर्देश कोविड-19 के प्रबंधन हेतु आयुष समाधानों को मुख्यधारा में लाने में योगदान देते हैं, और ये जनता के लिए बेहद फायदेमंद होंगे क्योंकि ये समाधान आसानी से सुलभ हैं और महामारी में आने वाली कठिनाइयों को कम करने में मदद करेगे।
इनके उद्देश्य घर पर देखभाल के प्रभावी समाधानों और अनुशंसित आयुष अभ्यासों के बारे में नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना है, उनकी रोगनिरोधक क्षमता बढ़ाने में उन्हें मदद देना है और होम आइसोलेशन के दौरान कोविड-19 के रोगनिरोधी, अलक्षण और हल्के लक्षण वाले मामलों के प्रबंधन हेतु यूनानी चिकित्सालयासियों के लिए मानक दिशानिर्देश देना है। आयुष मंत्रालय ने 29.01.2020 को एक एडवाइजरी जारी की कोविड-19 से खुद को कैसे बचाए और स्वस्थ कैसे रहें। इस संदर्भ में, आयुष मंत्रालय ने 'आयुष क्वाड(आयुर्वेद)' जैसे वैज्ञानिक नुस्खे के उपयोग को भी बढ़ावा दिया है जो चार हर्बल अवयवों का एक साधारण मिश्रण है जो कई अन्य स्वास्थ्य लाभों के साथ-साथ भारत और भारत के बाहर उनकी इम्यूनोमॉड्यूलेटरी और एंटीवायरल गतिविधियों के लिए जाने जाते हैं। मौसमी परिवर्तन रोगियों के शरीर गठन को ध्यान में रखते हुए, यह सलह दी गई है कि वास (मालबार नट), यष्टिमधु (लिकोरिस रुट) और गुड्ची (गिलोय) को आवश्यकतानुसार क्वाड में मिलाया जा सकता है।

कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण उत्पन्न मौजूदा जन-स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए होम आइसोलेशन के दौरान कोविड-19 के रोगियों के प्रबंधन के लिए आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सालयासियों के लिए दिशानिर्देशों के बारे में जानकारी को प्रसारित करने की तत्काल आवश्यकता है। कारगर साक्ष्यों पर आधारित आयुष-64, अत्यधिक दी आदि जैसे आयुर्वेद और यूनानी नुस्खों/उपायों को होम आइसोलेशन के दौरान कोविड-19 के अल्कांक और हलके लक्षण वाले मामलों के प्रबंधन में शामिल किया गया है।

ये दिशानिर्देश आयुष मंत्रालय की वेबसाइट पर अलग-अलग दस्तावेजों के रूप में उपलब्ध हैं। इसके अलावा, आशा है कि अन्य आयुष पद्धतियों पर आधारित इसी तरह के दिश-निर्देश शीघ्र ही जारी किए जाएंगे।